ठिंग बुलाया गया सभी जिससे उनके परिजनों राजी कर लिया चलता है कि दाल में तो कुछ काला है

महाविद्यालय खरसिया में छत्तीसगढ़ी भाषा संवर्द्धन कार्यशाला सम्पन्न

हिन्दी विभाग का साप्ताहिक आयोजन

धमाका छत्तीस,खरसिया।

26 नवम्बर छत्तीसगढ़ी भाषा दिवस के अवसर पर 22 से 27 नवम्बर 2021 तक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग में छत्तीसगढ़ी भाषा साहित्य परिषद के द्वारा छत्तीसगढ़ी भाषा संवर्द्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया। परिषद प्रभारी डॉ० रमेश हरहुन के मुख्य संयोजन, प्रो० जयराम कुर्रे तथा प्रो० दिनेश संजय के सह संयोजन में आयोजित इस कार्यशाला में प्रतिदिन अलग-अलग विषय वस्तुओं पर विषय विशेषज्ञों का व्याख्यान हुआ। कार्यशाला के दौरान छत्तीसगढ़ी साहित्य के कवि व लेखकों ने पूरी निष्ठा के साथ अपने विचारों को एम ए हिन्दी के छात्रों तक प्रत्यक्ष सम्प्रेषित किया। प्रथम दिवस, कविद्वय भरत साहक व निर्भय गुप्ता के द्वारा छत्तीसगढ़ी भाषा के स्वरूप और व्याकरण पर प्रस्तुति दी गई। विभागीय अतिथि व्याख्याता डॉ० आकांक्षा मिश्रा के मंच संचालन में

कार्यशाला के द्वितीय दिवस, कथाकार किरण शर्मा ने छत्तीसगढ़ी भाषा के उद्भव, विकास और व्याकरण पर अपने विचार से छात्रों को अवगत कराया। प्राचार्य डॉ० पी सी पुतलहरे के संरक्षण में सम्पन्न इस कार्यशाला के तृतीय दिवस, प्रसिद्ध हास्य व्यंग्य व गीतकार संजय बहिदार ने आधुनिक छत्तीसगढ़ी साहित्य में गीत परम्परा विषय पर छात्रों को प्रेरक जानकारी देते हुए खूब हँसाया। आई क्यू ए सी समन्वयक प्रो० मनोज साहू के सह-संयोजन में कार्यशाला के चतुर्थ दिवस, कहानीकार हर प्रसाद केड़े ने अटकन-चटकन दही चटकन जैसे छोटे-छोटे प्रसंगों एवं छत्तीसगढ़ी कथाओं के माध्यम से छत्तीसगढ़ी लघु कथा विषय पर व्याख्यान दिया। प्रतिदिन छात्रा गायत्री डनसेना के द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य गीत अलगा पैरो के धार....प्रस्तुति उपरान्त प्रारम्भ होती कार्यशाला के पंचम दिवस, प्रो० माधेट कुजूर एवं सेवानिवृत्त प्राचार्य रामभजन पटेल ने छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति विषय पर व्याख्यान देते हुए क्रमशः छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति एवं स्वाध्याय आदि पर विशेष बल दिया।